बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

अक्टूबर, 2021

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची पेज नं.

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण 01

(B) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम 02

(C) सोनपुर मेला, 2021: पैवेलियन एवं जन जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी के लिए बैठक 03–04

(D) जीविका दीदियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर तीन दिवसीय "मास्टर ट्रेनर्स" प्रशिक्षण 05

(E) शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण 06

(F) आपात स्थिति में पशु प्रबंधनः पशुधन सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 07–08

(G) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम 09

(H) **Bihar State Disaster Resource Network** की रिव्यु मिटिंग –10

(I) **Mass Messaging** 11–12

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची — पेज नं0

(A)	अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण	01
(B)	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम	02
(C)	सोनपुर मेला, 2021: पैवेलियन एवं जन जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी के लिए बैठक	03–04
(D)	जीविका दीदियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर तीन दिवसीय "मास्टर ट्रेनर्स" प्रशिक्षण	05
(E)	शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण	06
(F)	आपात स्थिति में पशु प्रबंधनः पशुधन सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण	07–08
(G)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	09
(H)	**Bihar State Disaster Resource Network** की रिव्यु मिटिंग	10
(I)	**Mass Messaging**	11–12

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन (अक्टूबर, 2021)

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण

राज्य के सभी (38) जिलों के साथ साथ भूकम्पीय जोन V के 8 जिलों (किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मधुबनी एवं सीतामढ़ी) में से दरभंगा एवं मधुबनी को छोड़ बाकी के 6 जिलों में भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक पर अनुभवी राजमिस्त्रियों के सात दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे बैच का प्रशिक्षण सम्पादित किया गया है। इस प्रकार **दिनांक 31 अक्टूबर 2021 तक कुल 18,905 अनुभवी राजमिस्त्रियों** को एवं 37 जिलों (समस्तीपुर को छोड़) में (मुख्यालय सहित) कुल 2633 असैनिक अभियंताओं को **भवनों के भूकम्परोधी निर्माण एवं रेट्रोफिटिंग तकनीक** विषय पर प्रशिक्षित किया जा चुका है।

दिनांक 21 अक्टूबर 2021 को बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र योजना के अन्तर्गत एक केन्द्रीय डाटा संग्रहण स्टेश्न भवन एवं चयनित 10 जिलों में एक–एक क्षेत्रीय डाटा संग्रहण स्टेश्न भवन के निर्माण से सम्बन्धित बिन्दुओं पर बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लि0, पटना एवं विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना के साथ एक समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा के दौरान जानकारी मिली कि राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज दरभंगा में भूकम्प सुरक्षा क्लीनीक एवं परामर्श केन्द्र का निर्माण कार्य चल रहा है। बिहार भूकम्प आपदा प्रबंधन मार्गदर्शिका के अंतिम प्रारूप को विषय वस्तु विशेषज्ञों को उनसे फीडबैक हेतु भेजा गया है।

बिहार पंचायत चुनाव 2021 घोषित होने के कारण प्रशिक्षण कार्यक्रम फिलहाल स्थगित है।

(B) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

मदरसा के फोकल शिक्षकों का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत पूर्व से चलाया जा रहा था और 55 बैच का प्रशिक्षण मार्च, 2021 तक सम्पन्न कर लिया गया। परंतु कोरोना वैश्विक महामारी के कारण यह प्रशिक्षण अप्रैल, 2021 को बद करना पड़ा। पुनः इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को दिनांक 05 अगस्त, 2021 से प्रारंभ किया गया। मदरसा बोर्ड के सहयोग से अक्टूबर माह में चार प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन यूथ हॉस्टल, फ्रेजर रोड, पटना में सम्पन्न हुआ। यह इस प्रकार है:–

अक्टूबर माह में हुए चारों सत्रों की तिथि तथा इसमें शामिल प्रतिभागियों की संख्या निम्न है –

क्र0सं0	प्रशिक्षण तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1	04–05 अक्टूबर	26
2	07–08 अक्टूबर	16
3	25–26 अक्टूबर	14
4	28–29 अक्टूबर	42
अक्टूबर माह में कुल प्रशिक्षित		98

पूर्व में हुए प्रशिक्षण (67 बैच) में कुल प्रशिक्षण – 2592
अब तक हुए कुल प्रशिक्षण (71 बैच) में कुल प्रशिक्षित – 2690

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(C) सोनपुर मेला 2021 की तैयारी बैठक

सोनपुर मेला के अवसर पर प्राधिकरण के पैवेलियन के अंदर एवं बाहर की गतिविधियों के निर्धारण करने के लिए 22.10.2021 को दो नुक्कड़ नाटकों का टीमों का डिमांसट्रेशन किया गया। इस दौरान मेला तैयारी के लिए गठित उप समिति की बैठक भी हुई। प्राधिकरण सभागार में सम्पन्न बैठक में लिए गये निर्णय इस प्रकार है:–

1. वर्ष 2021 के लिए सोनपुर मेला प्राधिकरण के पैवेलियन का थीम **"जागरूक बिहार, सुरक्षित बिहार"** तय किया गया है।
2. आपसदारी कला मंच के द्वारा ''ठनका से बचाव के उपाय'' विषय पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गई, जिसमें ठनका से बचाव संबंधी कई महत्वपूर्ण उपायों के बारे में बताया गया। नाटक के दौरान **"आपदा से बचाव"** के बारे में आपदा से बचाव के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। ठनका से बचाव शब्द का उपयोग करने का सुझाव दिया गया। इनके नाटक में आपदा से बचाव के स्थान **"इंद्रव्रज एप"** को मोबाईल में डाउनलोड करने संबंधी जानकारी समाहित करने का सुझाव दिया गया। नाटक टीम को नाटक में ठनका से बचाव के लिए उकडू पोजिशन में बैठने को हाईलाइट करने का सुझाव दिया गया गया।
3. निर्माण कला मंच के द्वारा सड़क सुरक्षा विषय पर ग्रामीण परिप्रेक्ष्य के आलोक में विभिन्न सड़क सुरक्षा के उपायों पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इन्हें ग्रामीण परिप्रेक्ष्य में महिला, बच्चे एवं जानवरों के बचाव को ध्यान में रखकर वाहन को चलाने संबंधी सुझाव को नाटक में समाहित करने की सलाह दी गई।
4. स्वयंसेवी संगठन युगान्तर के सहयोग से मेला के दौरान सप्ताह में दो दिन Gender Issues in Emergencies विषय पर नुक्कड़ नाटक करने की सहमति बनी। इस नुक्कड़ नाटक में 05 से 07 कलाकार शामिल लेंगे।

5. मेला में बिहार अग्निशमन सेवा की ओर से अगलगी से बचाव के बारे में नुक्कड़ नाटक एवं सिलिंडर की आग बुझाने के लिए Demonstration एवं Fire Equipments का Demonstration किया जाएगा। अग्निशमन सेवा के द्वारा 20 से 25 कर्मियों के आवासन एवं भोजन की व्यवस्था हेतु अनुरोध किया गया।
6. एस0डी0आर0एफ0 के द्वारा ठनका से बचाव के बारे में रिस्पांस ड्रिल किया जाएगा। ठनका से बचाव हेतु Arrester का Demonstration भी किया जाएगा। मेला के दौरान एस0डी0आर0एफ0 के द्वारा 20 कर्मियों के आवासन एवं भोजन की व्यवस्था हेतु अनुरोध किया गया। एस0डी0आर0एफ0 के द्वारा सर्पदंश प्रबंधन विषय पर नुक्कड़ नाटक किया जाएगा। साथ ही आवश्यक राहत एवं बचाव उपकरणों का Demonstration भी किया जाएगा। वर्ष 2019 की भांति प्राधिकरण के सहयोग से एस0डी0आर0एफ0 के द्वारा सभी हितधारकों के लिए भोजनादि की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।
7. कम्युनिटी ट्रैफिक पुलिस के द्वारा Installation art, ट्रैफिक गेम, सड़क सुरक्षा पर मॉकड्रिल का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान प्राधिकरण द्वारा विकसित प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण भी किया जायेगा।
8. बैंड पार्टी के लिए उप महानिरीक्षक, गृह रक्षा वाहिनी से अनुरोध किया जायेगा।

(D) जीविका दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण के लिए "मास्टर ट्रेनर्स" का प्रशिक्षण कार्यक्रम

जीविका दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित किए जाने का लक्ष्य है। दीदियों को प्रशिक्षित किए जाने हेतु तीन दिवसीय राज्य स्तरीय "मास्टर ट्रेनर्स" का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रथम मॉड्यूल ''प्राकृतिक आपदाएं'' विषय पर प्रथम बैच दिनांक 10–12 अगस्त 2021 से राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, पटना में आरंभ किया गया। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से जीविका दीदियों को जागरूक करने का लक्ष्य है। उपरोक्त के आलोक में माह अक्टूबर 2021 तक चार बैचों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 108 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया जो इस प्रकार है:–

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	10–12 अगस्त, 2021	पूर्णिया, अररिया, मधेपुरा एवं मधुबनी	27
2.	01–03 सितम्बर, 2021	मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी एवं शिवहर	22
3.	14–16 सितम्बर, 2021	गोपालगंज, प0 चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं सिवान	28
4.	20–22 अक्टूबर, 2021	भागलपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय एवं कटिहार	31
		कुल	77

इस प्रकार अब तक कुल 108 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(E) शहरी स्थानीय निकायों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्राधिकरण द्वारा 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के क्षमता विकास के उद्देश्य से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन करने का निर्णय लिया गया जिससे कि शहरी क्षेत्रों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु शहरी निकायों के प्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं नागरिक संवेदित हों। इसी क्रम में नगर निकायों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम बैच माह फरवरी 2020 से आरंभ किया गया है। माह अक्टूबर 2021 में नगर परिषद्, अररिया के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नगर पार्षद एवं नगर प्रबंधक के द्वारा भाग लिया गया। इस तरह माह अक्टूबर 2021 तक चार बैचों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 83 प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। यह इस प्रकार है:–

बैच सं0	प्रशिक्षण की अवधि	नगर निकाय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	26–28 फरवरी 2020	दरभंगा नगर निगम	19
2.	04–06 मार्च 2020	बेनीपुर नगर परिषद, जोगबानी नगर पंचायत	25
3.	07–09 सितम्बर, 2021	नगर पंचायत बहादुरगंज एवं ठाकुरगंज	23
4.	26–28 अक्टूबर, 2021	नगर परिषद, अररिया	16
		कुल	**83**

(F) आपात स्थिति में पशु प्रबंधनः पशुधन सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण

आपदाओं से मानव ही नहीं बल्कि पशु भी प्रभावित होते हैं और आपदाओं की स्थिति में मानव के साथ–साथ पशुधन की भी बड़े पैमाने पर क्षति होती है। यद्यपि कि आपदाओं को घटित होने से रोका तो नहीं जा सकता है, किन्तु इनसे होने वाली क्षति को कम करने के लिए पशुधन सहायकों का कौशल विकास एवं आपदाओं के खतरों की पहचान कर पशुधन की सुरक्षा का समुचित प्रबंधन किया जा सकता है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, एवं बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 13.08.2019 को बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यशाला में राज्य पशु आपदा प्रबंधन योजना का प्रारूप तय किया गया कि ''आपात स्थिति में पशु प्रबंधन'' विषय पर पशु चिकित्सकों के तर्ज पर पशुधन सहायकों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग एवं बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सहयोग से फरवरी, 2021 में प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण में पशुधन सहायकों को बहु–आपदाओं की स्थिति में आपदा के पहले, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद में कैसे पशुओं की सुरक्षा एवं प्रबंधन किया जाय की जानकारी दी जाती है। माह अक्टूबर, 2021 तक कुल 11 बैचों में 276 पशुधन सहायकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। यह इस प्रकार है:–

बैच संख्या	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1	15–17 फरवरी, 2021	30
2	18–20 फरवरी, 2021	27
3	05–07 अप्रैल, 2021	30
4	14–16 जुलाई, 2021	30
5	17–19 जुलाई, 2021	29
6	23–25 अगस्त, 2021	28
7	26–28 अगस्त, 2021	26
8	7–9 अक्टूबर, 2021	12
9	20–22 अक्टूबर, 2021	21
10	25–27 अक्टूबर, 2021	23
11	28–30 अक्टूबर, 2021	20
	कुल	**276**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(G) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर अक्टूबर माह में राज्य के कुल 71 (63+7) अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 28 सरकारी एवं 43 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:–

माह अक्टूबर 2021 में अस्पतालों/नर्सिंग होमस् के भवनों में फायर ऑडिट का ऑकड़ा।

क्र०सं०	जिला का नाम	कोविड अस्पताल			नन कोविड अस्पताल		
		सरकारी	निजी अस्पताल	कुल	सरकारी	निजी अस्पताल	कुल
1	पटना	0	0	0	4	7	11
2	नालंदा	0	0	0	0	0	0
3	रोहतास	0	0	0	0	1	1
4	भभुआ	1	0	1	0	0	0
5	भोजपुर	0	0	0	0	0	0
6	बक्सर	0	0	0	0	0	0
7	गया	0	0	0	2	0	2
8	जहानाबाद	1	0	1	0	2	2
9	अरवल	0	0	0	0	0	0
10	नवादा	0	0	0	0	1	1
11	औरंगाबाद	0	0	0	0	5	5
12	छपरा	0	0	0	0	0	0
13	सिवान	0	0	0	0	0	0
14	गोपालगंज	0	0	0	2	2	4
15	मुजफ्फरपुर	0	0	0	0	0	0
16	सीतामढ़ी	0	0	0	0	2	2
17	शिवहर	2	0	2	0	0	0
18	बेतिया	0	0	0	0	2	2
19	बगहा	0	0	0	0	1	1
20	मोतिहारी	0	0	0	0	3	3
21	वैशाली	0	0	0	0	0	0
22	दरभंगा	0	0	0	0	5	5
23	मधुबनी	0	0	0	0	1	1
24	समस्तीपुर	1	0	1	8	0	8
25	सहरसा	0	0	0	0	0	0
26	सुपौल	0	0	0	0	0	0
27	मधेपुरा	0	0	0	0	0	0
28	पूर्णिया	0	0	0	0	0	0
29	अररिया	0	0	0	0	2	2
30	किशनगंज	0	0	0	0	0	0
31	कटिहार	0	0	0	0	0	0
32	भागलपुर	1	1	2	2	5	7
33	नवगछिया	0	0	0	0	0	0
34	बाँका	0	0	0	0	0	0
35	मुंगेर	0	0	0	0	0	0
36	लखीसराय	0	0	0	1	0	1
37	शेखपुरा	0	0	0	0	0	0
38	जमुई	0	0	0	0	2	2
39	खगड़िया	1	0	1	2	1	3
40	बेगुसराय	0	0	0	0	0	0
कुल योग		7	1	8	21	42	63

इस प्रकार अब तक 3286 अस्पतालों का निरीक्षण किया जा चुका है।

'16 बिन्दु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के विस्तारित प्रति पर प्राधिकरण के अवैतनिक सलाहकार के महत्वपूर्ण सुझाव लेने बाद इसे अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ प्रो. विरेन्द्र कुमार पॉल के साथ साझा किया गया एवं सूचकांक को और प्रभावकारी बनाने हेतु उनके विशेष सुझाव लिए गये।

(H) Bihar State Disaster Resource Network की Review मीटिंग

आपदाओं से निपटने के लिए मानव बल के साथ साथ विभिन्न प्रकार के उपकरणों की आवश्यकता होती है। यदि समय पर उपकरणों की जानकारी मिले तो आपदा से बचाव त्वरित होगा और इससे जान माल की क्षति कम होगी। इसके लिए राज्य सरकार और प्राधिकरण के स्तर पर BSDRN पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर मिले उपकरणों समेत बचाव के विभिन्न सामग्रियों की जानकारी इस प्रकार मिलती है।

BSDRN पोर्टल पर अक्टूबर, 2021 तक 33355 प्रकार के मानव बल समेत अन्य उपकरण से संबंधित आंकड़े उपलब्ध हुए।

खोज एवं बचाव उपकरण :–	4688
कुशल जनशक्ति :–	10171
परिवहन :–	1953
खाद्य और जल जलस्त्रोत :–	4872
सुरक्षा और आश्रयः–	7673
आपातकालीन आपूर्ति और सेवाएं :–	3998
कुल संख्या :–	33355

इसके अतिरिक्त आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कामकाज जी जानकारी के लिए विभिन्न सोशल मिडिया प्लेटफार्म पर कार्यक्रमों, संदेशों समेत आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न जानकारियां प्रकाशित की गयी। यहां प्राधिकरण की गतिविधियों एवं आपदाओं से बचने के लिए क्या करें क्या न करें की जानकारी अपलोड की गयी।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(I) Mass Messaging

बिहार एक बहुआपदा प्रवण राज्य है, जहां लगभग सभी तरह के प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर लू, वज्रपात आदि आपदाओं से राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित होता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा की खतरा से अवगत कराना जरूरी है। इसलिए आपदाओं में 'क्या करें क्या न करें की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में उपलब्ध विभिन्न मोबाइल नंबर जैसे जिला पदाधिकारी DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), साथ ही साथ प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जन प्रतिनिधि (**चयनित–207429**, गैर चयनित–**435699**), जीविका दीदी– (**148890**), आशा कार्यकर्ता (**77542**), आगनबाड़ी सेविका (**45946**) एवं प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंता एवं राजमिस्त्रियों में उपस्थित अन्य **लगभग 36 लाख नंबर** पर विभिन्न आपदाओं के बारे में समय–समय पर नियमित मास मैसेजिंग (सामूहिक संदेश संप्रेषण) किये जाते हैं।

मास मैसेजिंग आपदा प्रबंधन के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण यूनिट बन गया है। जिसका उपयोग न केवल Early Warning तक सीमित है, बल्कि आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों जैसे Disaster Preparedness, Mitigation पर जागरूकता एवं बचाव हेतु भी जानकारी भेजी जाती है। इस तकनीक की मदद से कम समय में अधिकतम लोगों को Text Message के रूप में क्या करें, क्या न करें की जानकारी दी जा रही है। माह अगस्त, 2021 में कुल **13020630** कुल मास मैसेजिंग किया गया।

निम्नलिखित आपदाओं से बचाव के लिए संदेश भेजे गए:–

- **सड़क दुर्घटना से बचने के उपाय।**
- **नाव दुर्घटना से बचने के उपाय।**
- **नदियों–तालाबों में डूबने से बचाने के उपाय।**

जनहित में जारी संदेश इस प्रकार भेजे गए

सड़क दुर्घटना से बचने के उपायः

सड़क पार करते समय हमेशा दायें और बायें देख कर पार करें।
सड़क पर चलते समय या सड़क पार करते समय कान में इयरफोन लगा कर न चलें।
दुपहिया वाहन चालक और उनके पीछे बैठने वाले सवारी हमेशा हेलमेट पहन कर चलें।
हमेशा सीट बेल्ट बांध कर गाड़ी चलायें।
वाहन सवार एवं पैदल यात्री एम्बुलेंस के जाने के लिए रास्ता छोड़े।
गाड़ी चलाते समय सेल्फी न लें।

नाव दुर्घटना से बचने के उपाय

जिस नाव पर पंजीकरण संख्या अंकित हो उसी नाव से यात्रा करें।
जिस नाव पर लदान क्षमता दर्शाते हुए सफेद पट्टी का निशान लगा हो उसी नाव से यात्रा करें।
किसी भी स्थिति में ओवर लोडेड नाव पर न बैठें।
छोटे बच्चों को अकेले नाव की यात्रा न करने दें।
जिस नाव पर जीवन रक्षा के लिए लाईफ जैकेट, लाईफबॉय, के साथ प्राथमिक बॉक्स एवं रस्से आदि ठीक तरीके से रखे हों, उसी नाव से यात्रा करें।

नदियों–तालाबों में डूबने से बचने के उपाय

अपनी और अपने बच्चों की बचाएं जान।
नदियों–तालाबों में न धोएं बर्तन–कपड़े एवं न करें स्नान।
डूबते हुए की तरफ रस्सी, धोती, साड़ी या बांस फेंके।
डूबे हुए व्यक्ति को तुरंत ऑक्सीजन उपलब्ध करवाएं।
ऑक्सीजन न मिले तो मुंह से स्वांस दें।
पेट में भर गया हो पानी तो पेट के बल लिटाकार दबाव दें जिससे पानी निकल जाए, फिर जल्दी अस्पताल ले जाएं।